INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: X	Department: Hindi	Date of submission: NA
Question Bank: 4	Topic: पद - मीरा	Note: Pl. file in portfolio

प्रश्न 1. पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है?

उत्तर- मीरा मानती है कि श्रीकृष्ण सबकी पीड़ा को दूर करते हैं । वह उनसे विनती करते हुए कहती हैं कि हे श्रीकृष्ण! आपने द्रौपदी, भक्त प्रहलाद और ऐरावत हाथी के प्राणों की रक्षा की थी। आप सदैव अपने भक्तों की पीड़ा को दूर करते हैं। आप मेरी भी पीड़ा दूर करिए । मैं आपकी दासी हूँ ।

प्रश्न 2. दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - मीराबाई श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहती हैं कि हे श्रीकृष्ण! मुझे आपकी सेविका रख लीजिए। मैं आपकी सेवा करते हुए बाग-बगीचे लगाऊँगी और प्रातः आपके दर्शन किया करूँगी। मै वृंदावन की गलियों में आपकी लीला का गुणगान करूँगी। मुझे आपकी सेवा से आपके दर्शन, नाम-स्मरण और भक्ति तीनों प्राप्त हो जाएँगे।

प्रश्न 3. मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है?

उत्तर - मीराबाई श्रीकृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहती हैं कि श्रीकृष्ण के माथे पर मोर के पंखों का मुकुट तथा शरीर पर पीले वस्त्र बहुत सुशोभित हो रहे हैं। उनके गले में वैजयंती माला बहुत ही सुंदर लग रही है। वे वृंदावन में बाँसुरी बजाते हुए गायें चराते हैं।

प्रश्न 4. मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

उत्तर- मीरा की काव्य-भाषा शुद्ध साहित्यिक ब्रज-भाषा के निकट है तथा उस पर राजस्थानी, गुजराती, पश्चिमी हिंदी और पंजाबी का प्रभाव देखने को मिलता है। इनकी काव्य-भाषा अत्यंत मधुर, सरस और प्रभावपूर्ण है। मीरा की भाषा में गतिमयता का गुण सर्वत्र विद्यमान है। इसके साथ-साथ मीराबाई की भाषा में अनेक अलंकारों का सफल एवं स्वाभाविक प्रयोग हुआ है। इनके द्वारा प्रयुक्त अलंकारों में अनुप्रास, वीरता, रूपक, उपमा, उत्प्रेक्षा तथा उदाहरण अलंकार प्रमुख है।

प्रश्न 5. मीरा श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार है?

उत्तर - मीरा अपने प्रिय आराध्य कृष्ण को पाने के लिए चाकरी करने की इच्छा प्रकट करती है। वह कृष्ण के सभी काम करेगी और प्रातः उठकर उनके दर्शन करेगी। वे वृंदावन की कुंज गलियों में कृष्ण-लीला का गान करना चाहती हैं। उनका कृष्ण वृंदावन में गाएँ चराता है। मीरा अपने

साँवरिया के दर्शन पाने के लिए व्याकुल है। मीरा के लिए श्रीकृष्ण ही सर्वस्व हैं। उनके बिना उसका हृदय बेचैन हो रहा है।

बहुविकल्पीय प्रश्न -

प्रश्न 1. वस्त्र बढ़ा कर द्रौपदी की लाज किसने बचाई थी?

(i) अर्जुन ने (ii) सहदेव ने (iii) युधिष्ठिर ने (iv) श्री कृष्ण ने

प्रश्न 2. मीराबाई अपनी पीड़ा हरने की बात किससे करती हैं?

(1) राम से (ii) पति से (iii) पिता से (iv) श्रीकृष्ण से

प्रश्न 3. सबकी पीड़ा दूर करने वाला कौन है?

(i) संत समाज (ii) कृषक समाज (iii) आदिवासी समाज (iv) गोविन्द

प्रश्न 4. मीराबाई श्रीकृष्ण की सेवा में क्या करना चाहती हैं?

(i) बाग-बगीचे लगाएँगी (ii) श्रीकृष्ण लीला गाएँगी
(iii) प्रतिदिन दर्शन करेंगी (iv) उपरोक्त सभी

प्रश्न 5. मीरा के काव्य का मूल स्वर है-

(i) भक्ति (ii) प्रेम (iii) श्रृंगार (iv) उपरोक्त कोई नहीं

प्रश्न 6. मीराबाई के काव्य में हैं-

(i) विरह की तीव्र वेदना (ii) गेयता (iii) भावात्मक एकता (iv) उपरोक्त सभी

प्रश्न 7. श्री कृष्ण के मस्तक पर क्या है?

(i) मोर पंख (ii) बाँसुरी (iii) शंख (iv) गदा

प्रश्न 8. श्री कृष्ण ने किस रंग के वस्त्र पहने हैं?

(i) हरे (iii) नीले (ii) सफेद (iv) पीले

प्रश्न 9. मीरा किसके दर्शन करने हेतु बेचैन है?

(i) पति के (ii) पिता श्री के (iii) साँवरिया के (iv) उपरोक्त कोई नहीं

प्रश्न 10. मीरा के 'पद' के अनुसार सबकी पीड़ा दूर करने वाला कौन है ?

(i) ऐरावत (iii) भक्त प्रहलाद (ii) श्री कृष्ण (iv) द्रोपदी